2261

समाचार-संदर्भ: 19 अक्टूबर 2026 का अध्ययन-संदर्भ | अधिनियम: 2016

वास्तविक प्रकाशन तिथि: 20 अक्टूबर 2026

भूगोल: अपवाह तंत्र, नदी-बेसिन और जलमार्ग

अध्ययन-संदर्भ:

बराक पूर्वोत्तर भारत और बांग्लादेश के अपवाह तंत्र से जुड़ी नदी है। इसके उद्गम, सीमापार नामों, बेसिन और राष्ट्रीय जलमार्ग के निर्धारित खंड को अलग पहचानना जरूरी है। यह 19 अक्टूबर 2026 का भौगोलिक संदर्भ-लेख है, उसी दिन हुई नई नदी-घोषणा या नए कानून की खबर नहीं।

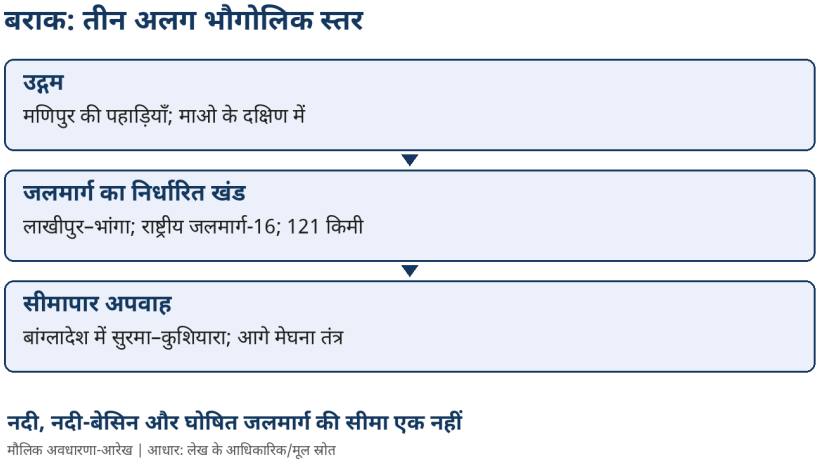
त्वरित पहचान:

सरकारी जल-संसाधन विवरण के अनुसार बराक मणिपुर की पहाड़ियों में, सेनापति जिले के माओ के दक्षिण से निकलती है। उद्गम-राज्य मणिपुर है; असम में महत्वपूर्ण प्रवाह का अर्थ असम में उद्गम नहीं।

बांग्लादेश में बराक से जुड़ा प्रवाह सुरमा और कुशियारा नामों से आगे बढ़ता है और बाद में मेघना तंत्र से जुड़ता है। अंततः मेघना बंगाल की खाड़ी में गिरती है। इन नामों को अलग-अलग असंबद्ध तंत्र नहीं मानना चाहिए।

PCSMANTRA.COM

IWAI के अनुसार बराक का लाखीपुर–भांगा खंड 121 किमी लंबा राष्ट्रीय जलमार्ग-16 है। इसका संदर्भ राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 है। 121 किमी पूरे बेसिन या नदी की उद्गम से समुद्र तक कुल लंबाई नहीं है।



चित्र के अक्षर छोटे दिखें तो चित्र को छूकर बड़ा खोलें और ज़ूम करें।

लेख के मूल स्रोतों पर आधारित मौलिक अवधारणा-आरेख।

नदी, बेसिन और जलमार्ग में अंतर:

नदी बहते जल की मुख्य धारा है। नदी-बेसिन वह क्षेत्र है जिससे पानी मुख्य नदी और उसकी सहायक धाराओं की ओर बहता है। बेसिन की सीमा राजनीतिक राज्य-सीमा से मेल खाना जरूरी नहीं। उद्गम जिस राज्य में हो, पूरा बेसिन केवल उसी राज्य में नहीं होता।

राष्ट्रीय जलमार्ग निर्धारित नौवहन खंड की कानूनी पहचान है। बराक के मामले में लाखीपुर–भांगा के 121 किमी का उल्लेख इसी खंड के लिए है। इससे उसकी हर सहायक नदी या पूरा बेसिन उसी जलमार्ग में शामिल नहीं हो जाता।

बेसिन का फैलाव:

सरकारी विवरण “बराक और अन्य” बेसिन को भारत, बांग्लादेश और म्यांमार के भागों तक फैला बताता है। भारत में मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, असम, त्रिपुरा और नगालैंड के भाग इसमें बताए गए हैं।

PCSMANTRA.COM

यह बेसिन की सीमा है। इससे यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि बराक की मुख्य धारा तीनों देशों और सभी छह भारतीय राज्यों में बहती है। मुख्य धारा का मार्ग और उसकी पूरी जलग्रहण व्यवस्था अलग सूचनाएँ हैं।

परीक्षा में भ्रम से बचें:

मणिपुर: उद्गम। लाखीपुर–भांगा: राष्ट्रीय जलमार्ग-16 का निर्धारित खंड। सुरमा–कुशियारा: बांग्लादेश में जुड़े प्रवाह के नाम। तीनों का अलग उद्देश्य है।

स्थिर भौगोलिक तथ्यों और अधिनियम-संदर्भ को यहाँ रखा गया है। पुराने सरकारी पृष्ठ के कार्य-प्रगति आँकड़ों को आज की उपलब्धि नहीं बताया गया है। नदी की कुल लंबाई और ऊँचाई जैसे असंगत आँकड़े तथा अस्पष्ट टर्मिनल-संबंध शामिल नहीं हैं।

> बराक ही की वितरिका - कुशियारा नदी और 2022 की भारत-बांग्लादेश जल-सहमति (153 क्यूसेक) देखने के लिए पढ़ें: कुशियारा नदी: भारत-बांग्लादेश जल-साझेदारी।

प्रारंभिक परीक्षा शैली: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. बराक नदी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका उद्गम मणिपुर की पहाड़ियों में है।

2. राष्ट्रीय जलमार्ग-16 का लाखीपुर–भांगा खंड 121 किमी है।

3. 121 किमी पूरे अंतरराष्ट्रीय बेसिन की सीमा बताता है।

कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 3

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

PCSMANTRA.COM

> **उत्तर: (b)।** 121 किमी निर्धारित जलमार्ग खंड की लंबाई है, पूरे बेसिन की नहीं।

प्रश्न 2. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

1. लाखीपुर–भांगा – राष्ट्रीय जलमार्ग-16

2. सुरमा–कुशियारा – बांग्लादेश में बराक से जुड़ा अपवाह

3. माओ के दक्षिण का पहाड़ी क्षेत्र – बराक का उद्गम-संदर्भ

कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

> **उत्तर: (c)।** तीनों युग्म संबंधित सरकारी विवरणों के अनुसार सही हैं।

प्रश्न 3. एक नदी-बेसिन तीन देशों के भागों तक फैला है। कौन-सा निष्कर्ष सर्वाधिक उचित है?

(a) मुख्य धारा अनिवार्य रूप से तीनों देशों से गुजरती है

(b) बेसिन का प्रत्येक भाग एक ही राष्ट्रीय जलमार्ग है

(c) नदी के तीन अलग उद्गम होने चाहिए

(d) जलग्रहण क्षेत्र का फैलाव मुख्य धारा के मार्ग से अलग जाँचना चाहिए

> **उत्तर: (d)।** बेसिन में सहायक धाराओं का जलग्रहण भी शामिल है। उसका फैलाव मुख्य धारा के मार्ग का प्रमाण नहीं।

स्रोत:

IWAI: राष्ट्रीय जलमार्ग-16

भारत जल संसाधन सूचना प्रणाली: बराक और अन्य बेसिन